Headline: Policy Approaches for the Public Health Sector.

Print Coverage:

Date	Publication	Edition
04, April 2025	**Rajasthan Patrika**	Bhopal

पत्रिका
भोपाल, शुक्रवार, 04 अप्रेल, 2025 13
patrika.com/education-news

GUEST-WRITER

सार्वजनिक स्वास्थ्य क्षेत्र के लिए नीतिगत दृष्टिकोण

स्वास्थ्य क्षेत्र भारतीय अर्थव्यवस्था के सबसे बड़े और तेजी से बढ़ते क्षेत्रों में से एक बन गया है, जिससे युवाओं के लिए नए व्यावसायिक कॅरियर पथ तलाशने की अपार संभावनाएं पैदा हो रही हैं। सार्वजनिक स्वास्थ्य क्षेत्र को मजबूत करने के लिए पांच नीति-केंद्रित क्षेत्रों पर ध्यान केंद्रित करने की आवश्यकता है। इनके बारे में यहां जानकारी दी जा रही है-

सार्वजनिक स्वास्थ्य प्रबंधन कैडर

1 राष्ट्रीय स्वास्थ्य नीति 2017 में पब्लिक हैल्थ मैनेजमेंट कैडर की स्थापना का प्रस्ताव है। स्वास्थ्य प्रबंधन कैडर के पेशेवर निदेशालय, क्षेत्रीय स्तर के संयुक्त निदेशक कार्यालय, जिला स्तर के मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी कार्यालय और ब्लॉक स्तर के स्वास्थ्य कार्यालयों में विभिन्न पदों के लिए उपयुक्त हो सकते हैं। इसी तरह अस्पताल प्रबंधन कैडर के पेशेवर मेडिकल कॉलेज अस्पतालों, जिला अस्पतालों, उप-जिला अस्पतालों और सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्रों, प्राथमिक-रेफरल इकाइयों के लिए उपयुक्त हो सकते हैं।

मानव संसाधन विकास और नेतृत्व विकास

2 राष्ट्रीय स्वास्थ्य नीति 2017 यह मानती है कि स्वास्थ्य प्रणाली को मजबूत करने के लिए मानव संसाधन विकास और प्रबंधन महत्त्वपूर्ण है। भारतीय सार्वजनिक स्वास्थ्य मानक के अनुसार सार्वजनिक स्वास्थ्य संस्थानों में उचित संख्या में चिकित्सा अधिकारियों, स्वास्थ्य प्रबंधकों, अस्पताल प्रबंधकों और पैरामेडिकल स्टाफ की उपलब्धता सुनिश्चित की जानी चाहिए। चिकित्सा एवं पैरामेडिकल शिक्षा को स्वास्थ्य सेवा के साथ जोड़ना चाहिए। इससे छात्र सिर्फ सैद्धांतिक ज्ञान तक सीमित नहीं रहेंगे, बल्कि वे वास्तविक परिस्थितियों में सार्वजनिक स्वास्थ्य संस्थानों के कार्य सीखेंगे।

डिजिटल हैल्थ टेक्नोलॉजी इको-सिस्टम

3 स्वास्थ्य सेवाओं में तकनीक (ई-हैल्थ, एम-हैल्थ, क्लाउड, इंटरनेट ऑफ थिंग्स, वियरेबल्स आदि) की महत्त्वपूर्ण भूमिका को समझते हुए भारत सरकार डिजिटल हैल्थ इको-सिस्टम को बढ़ावा देने पर जोर दे रही है। आयुष्मान भारत डिजिटल मिशन को 2021 में प्रधानमंत्री द्वारा लांच किया गया था। डिजिटल हैल्थ को प्रोत्साहित करना, विकसित करना और पूरे राज्य में लागू करना चाहिए, ताकि सतत और समग्र स्वास्थ्य सेवाएं सुनिश्चित की जा सकें। सार्वजनिक स्वास्थ्य संस्थानों को डिजिटल तकनीक से जोड़ा जाना चाहिए। टेली-परामर्श को बढ़ावा देना चाहिए।

स्वास्थ्य प्रणाली अनुसंधान

4 राष्ट्रीय स्वास्थ्य नीति 2017 के अनुसार, स्वास्थ्य प्रणाली को उन्नत करने के लिए अनुसंधान एक महत्वपूर्ण कारक है। स्वास्थ्य अनुसंधान में अधिक निवेश करना आवश्यक है। स्वास्थ्य क्षेत्र में सुधार के लिए, स्वास्थ्य प्रबंधन अनुसंधान, अस्पताल प्रबंधन अनुसंधान, राष्ट्रीय स्वास्थ्य कार्यक्रम प्रबंधन और कार्यान्वयन अनुसंधान को सुदृढ़ करना चाहिए। इससे राष्ट्रीय स्वास्थ्य कार्यक्रमों की प्रभावशीलता में वृद्धि होगी और नीति निर्माण को बेहतर दिशा मिलेगी। स्वास्थ्य से जुड़े सामाजिक कारकों पर अनुसंधान को बढ़ावा दिया जाए, साथ ही उन मुद्दों पर ध्यान दिया जाए जो अब तक उपेक्षित रहे हैं।

सहयोग और साझेदारी

5 सार्वजनिक स्वास्थ्य प्रणाली को मजबूत करने के लिए सहयोग और साझेदारी महत्त्वपूर्ण है। राज्य में निजी क्षेत्र की महत्त्वपूर्ण भूमिका को देखते हुए राज्य निजी क्षेत्र के साथ साझेदारी के मॉडल विकसित करने के लिए संभावनाओं पर विचार करें। इससे स्वास्थ्य सेवा के वितरण को बेहतर बनाया जा सकेगा। निजी क्षेत्र के संसाधनों और क्षमताओं का बेहतर उपयोग किया जा सकता है।

डॉ.पीआर सोडानी
प्रेसिडेंट, आइआइएचएमआर यूनिवर्सिटी
patrika.com

04/04/2025 | Bhopal | Page : 17
Source : https://epaper.patrika.com/